भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
09.12.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 434 का उत्तर

अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार मौजूदा रेलवे स्टेशनों को विकसित करना

434. श्री सतीश चंद्र दूबे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार देश भर में मौजूदा रेलवे स्टेशनों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित करने का विचार रखती है, यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में, विशेषकर बिहार में, स्मार्ट स्टेशनों के रूप में उन्नत किए जाने के लिए कितने रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है और अभी तक कितने स्टेशन को स्मार्ट स्टेशन के रूप मे विकसित किया गया है; और

(ग) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान ऐसे सभी स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए स्वीकृत, आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का स्टेशन-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

s.k

अन्तर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार मौजूदा रेलवे स्टेशनों को विकसित करने के संबंध में दिनांक 09.12.2022 को राज्य सभा में **श्री सतीश चंद्र दूबे** के अतारांकित प्रश्न सं. 434 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित **विवरण।**

(क) से (ग): रेल मंत्रालय स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन कर रहा है। इन व्यवहार्यता अध्ययनों के परिणाम के आधार पर विशेष रूप से बड़े शहरों और महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में स्थित स्टेशनों का चरणबद्ध तरीके से पुनर्विकास करने की योजना है।

43 स्टेशनों पर पुनर्विकास का कार्य शुरू कर दिया गया है, जबकि 21 स्टेशन भारतीय रेल में निविदा और योजना के विभिन्न चरणों में हैं। भारतीय रेल में "रेलवे स्टेशनों का व्यापक उन्नयन" के अंतर्गत विकास करने के लिए 57 स्टेशनों की पहचान की गई है जिनमें बिहार राज्य के गया, बापुधाम मोतीहारी और मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। तीन रेल स्टेशनों अर्थात् रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (मध्य प्रदेश), गांधीनगर रेलवे स्टेशन (गुजरात) और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल (कर्नाटक) को विकसित और चालू कर दिया गया है।

रेलवे स्टेशनों और सुविधाओं का आधुनिकीकरण और उन्नयन भारतीय रेल में सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और ये कार्य योजना-शीर्ष ग्राहक सुविधाओं (पीएच-53) के तहत किए जाते हैं। पीएच-53 के तहत आवंटन और व्यय का अनुरक्षण जोनल रेलवे-वार किया जाता है न कि स्टेशन-वार। पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष अर्थात 2019-20, 2020-21, 2021-22 और 2022-23 (अक्टूबर 2022 तक) के दौरान योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत रेलवे द्वारा आवंटित धन और किए गए व्यय का विवरण निम्नानुसार है :-

(आंकड़े रु. में)

क्षेत्रीय रेलवे	**2019-20**		**2020-21**		**2021-22**		**2022-23**	
	आवंटन	**व्यय**	**आवंटन**	**व्यय**	**आवंटन**	**व्यय**	**आवंटन**	**व्यय (अक्टूबर तक, 2022)**
म.रे.	235.96	231.84	288.77	275.85	207.56	152.94	234.38	63.99
पू.रे.	112.84	115.25	182.13	158.95	151.16	145.21	173.98	47.32
पू.म.रे.	137.43	141.91	166.87	165.46	166.83	146.42	162.39	84.22
पू.त.रे.	97.64	94.78	103.16	87.16	89.03	66.99	109.53	32.75
उ.रे.	150.77	152.31	268.37	247.25	217.71	221.68	235.37	213.22

s.k

उ.म.रे.	65.30	77.65	182.94	163.41	134.81	118.82	147.57	65.14
पूर्वो.रे	78.59	86.32	100.18	103.90	121.20	95.33	187.23	55.03
पू.सी.रे	107.24	100.55	106.12	104.07	99.34	90.03	96.11	50.37
उ.प.रे.	120.22	117.74	159.59	126.40	67.51	51.39	115.79	24.11
द.रे.	106.74	114.43	213.11	204.70	218.22	154.23	327.78	64.46
द.म.रे.	151.39	150.29	199.37	219.80	191.56	154.56	135.15	52.50
द.पू.रे.	71.67	82.01	109.89	118.21	140.16	111.60	176.53	56.87
द.पू.म.रे.	53.82	55.83	107.02	118.75	67.15	65.18	60.90	32.43
द.प.रे.	82.66	80.61	114.80	115.13	135.34	112.13	137.94	31.96
प.रे.	254.45	254.62	252.01	318.04	261.00	255.77	311.62	91.78
प.म.रे.	37.39	34.10	50.95	46.08	66.00	49.93	77.32	18.68
मेट्रो रेल	17.29	12.87	9.88	9.74	9.97	3.56	10.39	2.09
कुल	**1881.40**	**1903.11**	**2615.15**	**2582.90**	**2344.55**	**1995.77**	**2700.00**	**986.92**

******